मेरे दु:ख के दिनों में वो | By Mukesh Bagda

मेरे दु:ख के दिनों में वो बड़े काम आते हैं
जब कोई नहीं आता मेरे श्याम आते हैं

मेरी नैया चलती है पतवार नहीं होती
किसी और की अब मुझको दरकार नहीं होती
मैं डरता नहीं जो रस्ते सुनसान आते हैं
मेरे दु:ख के दिनों में वो बड़े काम आते हैं

कोई याद करे इनको दु:ख हल्का हो जाए
कोई प्रेम करे इससे ये उसका हो जाये
ये बिन बोले ही दु:ख को पहचान जाते हैं
मेरे दु:ख के दिनों में वो बड़े काम आते हैं

ये इतने बड़े होकर दीनो से प्यार करें
बनवारी छोटे बड़े सबको स्वीकार करें
भक्तों का हर कहना ये मान जाते हैं
मेरे दु:ख के दिनों में वो बड़े काम आते हैं

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%a6%e0%a5%81%e0%a4%83%e0%a4%96-%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%a6%e0%a4%bf%e0%a4%a8%e0%a5%8b%e0%a4%82-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-%e0%a4%b5%e0%a5%8b-by-mukesh-ba/